a king a. s officers over villages etc. यथा राजा ग्रामादिष्वधिकृतान्विनियुंक्ते, Up. ; (2) करोति (कृ, c. 8) v. To make ; (3) निदधाति, सन्नि-, (धा, c. 3) Ki. i. 22. v. To place ; (4) व्या-दिशति (दिश्, c. 6) Ku. iii. 13. v. To order. II. To ordain, prescribe : q.v. : निर्दिशति.

APPOINTED, WELL : i.e. *well equipped* : (1) सुसज्जितः (ता, तं) ; (2) परिकल्पितः (ता, तं).

APPOINTMENT : I. The act of appointing : (1) नियोगः ; (2) विनियोगः. II. Station, position : पदम्. III. Stipulation, agreement : q.v. समयः (rare in this sense). IV. A. command, decree: q.v.: नियोगः. v. Equipment: q.v. सज्जा.

APPORTION : वि-भजति, प्रवि-, संवि-, (भज् c. 1) : v. To distribute, allot.

APPORTIONMENT : (1) विभागः (= distribution, q.v.) ; (2) परिकल्पनम् (= assignment, q.v.).

APPOSITE : (1) उपयुक्तः (क्ता, क्तं) ; (2) उपपन्नः (न्ना, न्नं) ; (3) सङ्गतः (ता, तं) : v. Suitable, Fit, pertinent.

APPOSITELY : (1) Expr. by the adj. ; (2) स्थाने; (3) प्रस्तावसदृशम्.

APPOSITENESS : Ph. *your remark is characterized by a.* सङ्गतं तव भाषितम् : v. Apposite.

APPOSITION : एकान्वयः (?).

APPRAISE (v.t.) : मूल्यं निरूपयति (रूप्, c. 10), निर्धारयति (धृ, c. 10).

APPRAISEMENT: (1) मूल्यनिरूपणम् ; (2) मूल्यनिर्धारणम् : v. Valuation.

APPRAISER : (1) मूल्यनिरूपकः ; (2) मूल्यनिर्धारकः : v. Valuer.

APPRECIABLE : उपलभ्यः (भ्या, भ्यं) (= perceptible, q.v.).

APPRECIATE : (1) मूल्यं *or* गुणागुणं जानाति (ज्ञा, c. 9), अवगच्छति (गम्, c. 1) ; (2) बहुमन्यते (मन्, c. 4) (= to think much of).

APPRECIATION : (1) मूल्यविज्ञानम् (?) ; (2) गुणागुणविज्ञानम् (?).

APPREHEND : I. To arrest : q.v. : (1) धरति (धृ, c. 1) ; (2) गृह्णाति (ग्रह्, c. 9). II. To comprehend, conceive : q.v. : (1) उपलभते (लभ्, c. 1.) ; (2) अवगच्छति (गम्, c. 1.) III. To believe, suppose : q.v. : शङ्कते (शङ्क्, c. 1), *I a. Bharata has come out to meet me* शङ्के.........प्रत्युद्गतो मां भरतः, R. xiii. 64. IV. To fear शङ्कते, आ-, वि-, परि-, *a. ing defeat from you* विशङ्कमानो भवतः पराभवं, Ki. i. 7.

APPREHENSION : I. The act of seizing : (1) ग्रहणम् ; (2) धृतिः (rare). II. Arrest : q.v. : आसेधः. III. Conception, comprehension, understanding : q.v. : Ph. *a man of quick a.* तीक्ष्णबुद्धिः, *a man of dull a.* स्थूलबुद्धिः. IV. Opinion, notion : q.v. : मतम्. V. Fear of future evil : (1) शङ्का ; (2) आशङ्का.

APPREHENSIVE : (1) शङ्कितः (ता, तं); (2) शङ्कान्वितः (ता, तं). *to be a.* शङ्कते.

APPRENTICE (subs) : no equiv. : अन्तेवासिन् (f. नी) (=disciple) may be used.

APPRENTICE (v) : Ph. *he was a. d to me for five years* *पञ्चवर्षपर्यन्तं स मम नियमबद्धोऽन्तेवास्यासीत्.

APPRENTICESHIP : अन्तेवासित्वम्. (?) ; नियमबद्धान्तेवासित्वम्.

APPRISE OF : वि-ज्ञापयति (c. of ज्ञा) : v. To inform.

APPROACH (v.) : I. To come or go near : (1) उप-सर्पति (सृप्, c. 1) ; (2) उप-सरति, समुप-, (सृ, c. 1) ; (3) उप-सीदति, उपा-, (सद्, c. 1) ; (4) समीपं, निकटं, etc. गच्छति (गम्, c. 1), याति (या, c. 2), etc. : v. Go near ; (5) उप-गच्छति, समुप-. N.B. Observe that समीपं etc. are cons. with the gen., all the other verbs take the acc. II. To approximate, resemble : q.v.

APPROACH (subs) : I. The act of approaching : (1) आसन्नता (= the act of being near) ; (2) उपागमः ; (3) आगमः (= arrival). II. A means of a. ing : (1) उपसर्पणमार्गः (?) ; (2) उपागमद्वारम् (?).

APPROACHABLE : उपसर्पणीयः (या, यं) : v. Accessible.

APPROACHING (part. adj.) : (1) आसन्नः (न्ना, न्नं), *whose death was a.* आसन्नशरीरपातः, Ku. iii. 44 ; (2) अभ्यर्णः (र्णा, र्णं), *a. separation*, अभ्यर्णविरह-, K. ; (3) उपोढः (ढा, ढं), Ki. xvii. 54. ; (4) सन्निकृष्टः (ष्टा, ष्टं).